Date____
Page____

Psychology
B.A. Part II (Hons)
Paper. III
Chapter - Introduction to Psychopathology
Topic - Historical Antecedent of Psychopathology (Part-II)

By. Nishikant Jaiswal (Assistant Professor)
Dr. L.K.V.D College Tajpur, Samastipur.

Lecture Series No - 39

A Brief History of Abnormal Psychology in middle age

मध्य युग में असामान्यता की व्याख्या में यद्यपि अन्धविश्वास का हाथ था फिर भी कुछ ऐसे दार्शनिक एवं चिकित्सक थे, जिन्होने असामान्यता या मानसिक व्याधियों की व्याख्या में अन्धविश्वास के महत्व को स्वीकार नहीं किया। वेयर (Weyer 1518 से 1588) ने इस मत का खुलकर विरोध किया। इसी प्रकार प्लेटर (Plater - 1566 से 1614) ने भी प्रेत-शक्ति को मानसिक व्याधि का कारण स्वीकार नहीं किया।

फ्रांस में फिलिप पाइनेल (Philippe Pinel - 1745 से 1826) ने इस मत का खंडन किया और और मानसिक व्याधि की व्याख्या मानसिक विकार के आधार पर की। उसने प्रचलित चिकित्सा

Scanned with CamScanner

प्रणाली की कटु आलोचना की और बताया कि रोगी को कोठरी में बन्द कर देने या जंजीर से बाँध देने से उसका उपचार नहीं हो सकता। उन्होंने फ्रांस में रोगियों की चिकित्सा के लिए सर्वप्रथम एक चिकित्सालय की नींव डाली और रोगियों की चिकित्सा मानसिक विकार को मानसिक व्याधि का आधार मानकर शुरू की। वस्तुतः वैज्ञानिकता की ओर यह ठोस कदम था। अब लोग समझने लगे कि असामान्यता मानसिक विकारों का परिणाम है, न कि पाप की उपज।

इस दिशा में इसक्वीरोल (Esquirol-1772 से 1840) के कार्यों को भुलाया नहीं जा सकता है। उन्होंने पाइनल के कार्यों को जारी रखा जिससे असामान्य मनोविज्ञान के विकास में बड़ी मदद मिली। 19वीं शताब्दी के प्रारम्भ में इंगलैंड में पाइनेल तथा इस्क्वीरोल की धारणा का समर्थन किया गया। इनके समर्थकों में क्वेकर (Quakers) तथा विलियम ट्यूक (William Tuke) का नाम स्मरणीय है। उन्होंने रोगियों के साथ मानवीय व्यवहार पर काफी जोर दिया। इसी प्रकार अमेरिका में बेंजामिन रश (Benjamin Rush) तथा डोरोथी डिक्स (Dorothea Dix) ने ट्यूक का समर्थन किया और मानसिक रोग से ग्रस्त व्यक्तियों की चिकित्सा के लिए ऐसे चिकित्सालय की कल्पना की जहाँ इसका मानवोचित इलाज हो सके।

Teachers Signature.....

Scanned with CamScanner